

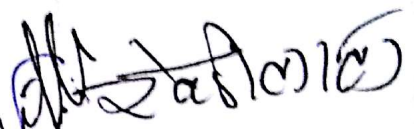
30/4/18

पत्रावली पेश हुई। वकील पत्रावली पर  
प्रतिवादी वकील द्वारा जवाब देवाते पर  
विषय नकल वांछी वकील को दिवाइ गई।  
पत्रावली वांछी जवाब उन जवाब दिवाइ  
19-6-18 को पेश ले।




19.6.18

पत्रावली लोक अदालत केम्य बनेठिया  
में पेश हुई। उअधक्ष मग अधिलकता  
उपलब्ध। उअधक्ष उअ मजमे काम में  
जाहिर किया गया कि ग्राम धनवां लटकील  
दीगोद लिखत खं नं. 429 शकबा 0.77 हेठ  
मुक्ति कादीगण क खाते में दर्ज रिर्काई है  
एवं खं नं. 430 शकबा 0.76 हेठ प्रतिवादी



  
निं कारका काई

  
निं मिहलाल

  
निं पकी ड

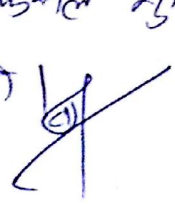


  
निं पतिरानी

नं. 2 का 4 के खोले में दर्ज रिपोर्ट है।  
मुलाबिद दस्तावेज ख.नं. 429 पूर्व ख.नं.  
641 से बचना जाहिर आता है, जो  
सदरत से दौंगरे सेटलमेंट पश्चात्  
बनी जमाबन्दी में मुलाबिद मिलान  
दोत्रफल दर्ज नहीं किया गया। वादीगण  
के खोले में ख.नं. 430 के 2 भाग पर  
ख.नं. 429 दर्ज कट राजस्व रिपोर्ट  
के सुधार करके किया गया है एवं  
प्रतिवादीगण के खोले में ख.नं. 429 के  
स्थान पर ख.नं. 430 दर्ज कट किया  
गया, जबकि वादीगण का कब्जा ख.नं.  
430 पर एवं प्रतिवादीगण का कब्जा  
ख.नं. 429 पर मॉलिउ रूप से  
है। उम्पपक्ष ने मजमे काफ में उपस्थित  
दोत्र मॉलिउ रूप से काबिज अनुसार  
राजस्व रिपोर्ट में सुधार किये जाने का  
निवेदन किया। उम्पपक्ष ने मजमे काफ  
में इस बाबत अहमति जाहिर की गई  
कि मुलाबिद मॉलिउ अनुसार राजस्व  
रिपोर्ट में सुधार कट किया जावे।  
अहमति स्वरूप उम्पपक्ष द्वारा आदेशिका  
पर हस्ताक्षर किये। वादीगण की पहचान  
बहील थी काबिद खान उरा तथा  
प्रतिवादीगण की पहचान बहील थी  
कानिल अठेलवाल उरा प्रमाणित की

जरी अलः वादीगण के खाले मे दर्प खं नं  
429 रकबा 0.77 हे. के स्थान पर खं नं.  
430 रकबा 0.76 हे. एवं प्रसिवादी नं. 2  
रा 4 के खाले मे दर्प खं नं. 430 रकबा  
0.76 हे. के स्थान पर खं नं. 429 रकबा  
0.77 हे. दर्प लिखा जाना मुलाबित  
अस्मति उचित प्रतीत होगा है।

लिखाजा वाद वादीगण एवं काउण्टर स्लेम  
प्रति. नं. 2 रा 4 उभयपक्ष की अस्मति  
अनुसार स्वीकार किये जाऊत आदेश  
दिये जाते हैं कि ग्राम धनवां तहसील  
दीगेर तालुका में आतेदारी करवाजी  
खं नं. 429 रकबा 0.77 हे. के स्थान पर  
खं नं. 430 रकबा 0.76 हे. एवं खं नं.  
430 रकबा 0.76 हे. के स्थान पर खं नं.  
429 रकबा 0.77 हे. दर्प लिखा जावै।  
अनुसार ठिकी जारी हो। निर्णय  
भजमे काम मे सरे अजलास सुनाया  
गया। पत्रावली फिलाल सुनाए होकर  
दाखिल रफतार हो।

  
(ला. नं. 01)

मूल वाद में डिक्री  
(आदेश 20 के नियम 6 और 7)

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी एवं पदेन सहायक कलक्टर, दीगोद

(पीठासीन अधिकारी लोक अदालत/कैम्प कोर्ट ..... बनेठियां)

पीठासीन अधिकारी : नारायणी वैष्णव R.A.S.

दावा बाबत ..... रेवडी लाल शर्मा उनवान  
बनाम राजस्थान सरकार को.

मुकदमा नम्बर:- 106/117

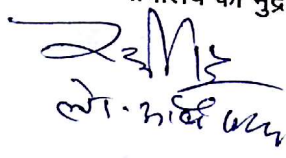
निर्णय दिनांक:- 19/06/2018

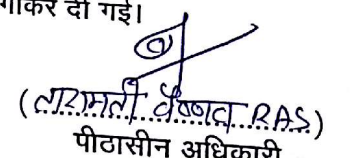
वादी की ओर से ..... की व प्रतिवादी की ओर से ..... की  
उपस्थिति में इस वाद में आज तारीख ..... को ..... (नाम पीठासीन अधिकारी)  
नारायणी वैष्णव R.A.S. के समक्ष अन्तिम निपटारों के लिए पेश होने पर, आदेश किया जाता है और

डिक्री दी जाती है कि- ग्राम धनवां तहसील दीगोद स्थित गैर खातेदारी आराजी  
ख.नं. 429 रकबा 0.77 हे. के स्थान पर ख.नं. 430 रकबा 0.76 हे.  
एवं ख.नं. 430 रकबा 0.76 हे. के स्थान पर ख.नं. 429 रकबा  
0.77 हे. दर्ज किया जावे। तदनुसार डिक्री जाती है।

खर्चा पक्षकार अपना-अपना वहन करेंगे।

यह आज तारीख 19/06/2018 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।

  
न. स. शर्मा

  
(नारायणी वैष्णव R.A.S.)  
पीठासीन अधिकारी  
उपखण्ड अधिकारी एवं  
पदेन सहायक कलक्टर दीगोद

वाद के खर्चे

वादी			प्रतिवादी		
मुदई	रुपये	पैसे	मुदालयह	रुपये	पैसे
स्टाम्प वकालतनामा	0	0	स्टाम्प अर्जी	0	0
स्टाम्प वजूह सबूत	0	0	स्टाम्प अर्जी	0	0
महन्ताना वकील	0	0	महन्ताना वकील	0	0
खर्चा गवाहान	0	0	खर्चा गवाहान	0	0
बावत् इजराय हुक्मनामा	0	0	बावत् इजराय हुक्मनामा	0	0
मुत्.	0	0	मुत्0	0	0
मिलान	0	0	मिलान	0	0